नामांक				Roll No.		

No. of Questions — 25

No. of Printed Pages — 3

P—01—Hindi

प्रवेशिका परीक्षा, 2011

हिन्दी

(HINDI)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंक वाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।
5. प्रश्न क्रमांक **1** के चार भाग (i, ii, iii तथा iv) हैं । प्रत्येक भाग के उत्तर के चार विकल्प (**अ, ब, स** एवं **द**) हैं । सही विकल्प का उत्तराक्षर उत्तर-पुस्तिका में निम्नानुसार तालिका बनाकर लिखें :

प्रश्न क्रमांक	सही उत्तर का क्रमाक्षर
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

1. (i) लोकतांत्रिक जीवन की वास्तविक बुनियाद डाली जा सकती है
(अ) छोटे प्रारंभिक समुदाय में (ब) अन्तरराष्ट्रीय समुदाय में
(स) बड़े शहरों में (द) औद्योगिक समुदाय में । $\frac{1}{2}$

(ii) आदिकाल से ही भारत किन उपाधियों से विभूषित होता रहा है ?
(अ) ज्ञान-ज्योति केन्द्र (ब) जगद्‌गुरु व सोने की चिड़िया
(स) शक्तिशाली वीर राष्ट्र (द) महत्वाकांक्षी राष्ट्र । $\frac{1}{2}$

(iii) ''यह अवसर है, स्वर्ण सुयुग है, खो न इसे नादानी में'' पंक्ति में किस 'अवसर' की बात कही गई है ?
(अ) वृद्धावस्था (ब) तरुणावस्था
(स) रुग्णावस्था (द) शैशवावस्था । $\frac{1}{2}$

(iv) ''जहाँ जन्म पाने में सुर भी, समझा करते थे निज भाग्य''
कविता की पंक्ति में किस भूमि की ओर संकेत है ?
(अ) वीर भूमि (ब) भारत भूमि
(स) जन्मभूमि (द) स्वर्गभूमि । $\frac{1}{2}$

नोट : प्रश्न सं० 2 से 5 तक के उत्तर अति लघूत्तरात्मक हैं ।

2. मानसिक दृष्टि से कार्य का आनन्द किसमें है ? $\frac{1}{2}$

3. गौहरबानू की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाला व्यक्ति कौन था ? $\frac{1}{2}$

4. कर्ण ने किसकी सहायता अस्वीकार कर अर्जुन से युद्ध किया था ? $\frac{1}{2}$

5. लव-कुश को जल में क्या दिखाई देने पर वे प्रसन्न हो गए ? $\frac{1}{2}$

नोट : निम्नांकित प्रश्न सं० 6 एवं 7 के उत्तर लगभग 10-10 शब्दों में दीजिए :

6. मास्टर जी के समक्ष डिप्टी कमिश्नर बनकर आया व्यक्ति कौन था ? 1

7. 'मर्यादा' पाठ में एकांकीकार ने आधुनिक संदर्भ में किस प्रथा को हितकर माना है ? 1

8. 'कृष्णार्जुन' शब्द का विग्रह कर समास का नाम बताइए । $\frac{1}{2}$

9. सन्धि किसे कहते हैं ? $\frac{1}{2}$

10. पद एवं पद परिचय किसे कहते हैं ? 1

11. वाक्य कितने प्रकार के होते हैं ? नाम बताइए । 1

12. निम्नांकित शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें : 1
(i) सदोपदेश
(ii) रचियता ।

13. निम्नलिखित युग्म शब्दों का अर्थ लिखिए : $\frac{1}{2}$
उपकार — अपकार ।

14. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए : $\frac{1}{2}$
(i) तीन माह में एक बार होने वाला ।
(ii) जिसके जैसा दूसरा न हो ।

15. अभिधा शब्द शक्ति का परिचय दीजिए । 1

16. स्वयं को राजकीय माध्यमिक विद्यालय देबारी का छात्र सुरेश शर्मा मानकर अपने प्रधानाचार्य को खेल सुविधाएँ बढ़ाने हेतु प्रार्थनापत्र लिखें । 3

17. ''अफसोस, कंगूरा बनने के लिए चारों ओर होड़ा-होड़ी मची है, नींव की ईंट बनने की कामना लुप्त हो रही है ।'' कथन का आशय समझाइए । 2

18. जब कासिम ने दुर्ग में प्रवेश किया तो उसने अपने स्वागत में क्या देखा ? 2

19. सीता ने मछलियों के बारे में लव-कुश को क्या समझाया ? 2

20. भरत ने क्रोध से भरी सिंहनी से क्या कहा ? 2

21. दरिद्र हिन्दुस्तानी मजदूर की अपने बच्चे के लिए क्या अभिलाषा होती है ? 'प्रेरणा' पाठ के आधार पर बताइए । 3

22. 'सुजान भगत' पाठ के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए । 3

23. दिनकर जी द्वारा रचित 'कर्ण का शौर्य' कविता में व्यक्त भावों को अपने शब्दों में लिखिए । 3

24. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

''जब बाड़ ही खेत को खाए तो खेत की रक्षा कौन करे ? भारतीय इतिहास का यह भी एक पीड़ादायी पहलू है । संगठित और सुसम्बद्ध समाज ही संकटकाल में हर मोर्चे पर संकटों का सामना कर सकता है । अत्यधिक समृद्धशाली, विकट वीर रणकुशल, हर क्षेत्र में अग्रणी होते हुए भी समाज के ही कुछ अंग सत्ता-प्राप्ति, धनसम्पदा या मान-सम्मान के लोभ में ऐसी कमजोरी दिखा देते हैं कि उसका परिणाम सम्पूर्ण समाज एवं राष्ट्र को भुगतना पड़ता है ।''

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

अथवा

''प्रश्न चुनाव पद्धति का नहीं है । प्रश्न तो मानव जीवन और मानवीय समाज की कल्पना का है । यह कल्पना बताती है कि क्यों हमें गाँव से ही निर्माण करना चाहिए और क्यों गाँव को हमारे लोकतंत्र की बुनियाद बनने के लिए मौलिक परिवर्तन से गुजरना चाहिए और क्यों राज्य का संगठन व्यक्तिगत मतदाताओं से नहीं, बल्कि जीवित समुदायों से तथा उनके ऊर्ध्वमुखी एकीकरण से होना चाहिए ।''

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

25. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

''मीरां सूर कबीर की वाणी, तुलसी की गाथा कल्याणी
बंकिम और रवीन्द्र सुज्ञानी, हैं विज्ञान अन्यतम जिनपर
जन-गण-मन अभिज्ञानी ।
सत्य अहिंसा के व्रत धारी, ज्ञान-शील-गुण प्रेम पुजारी
धर्म-कर्म में रत नर-नारी, पंचशील का भाव जगाती,
यह धरा सुहानी ।

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

अथवा

विजय वैजयन्ती फहरी जो जग के कोने-कोने में,
उनमें तेरा नाम लिखा है, जीने में बलि होने में ।
घहरे रन घनघोर, बढ़ी सेनाएँ तेरा बल पाकर,
स्वर्ण मुकुट आ गए चरण तल तेरे शस्त्र संजोने में ।

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)